वर्ष-2, अंक-4, जुलाई से सितम्बर, 2020, मूल्य 50/- रू0

कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम्

यत्र विश्वं भवत्येक नीड़म्

卐 आरोह तमसो ज्योतिः 卐

# देवरहा प्रसाद

भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की त्रैमासिकी

चतुर्थ संस्करण

संत, भक्त, श्री हरिचरित, श्री देवरहा परसाद।
यह है श्री रघुवीर का, निज पावन प्रासाद।।

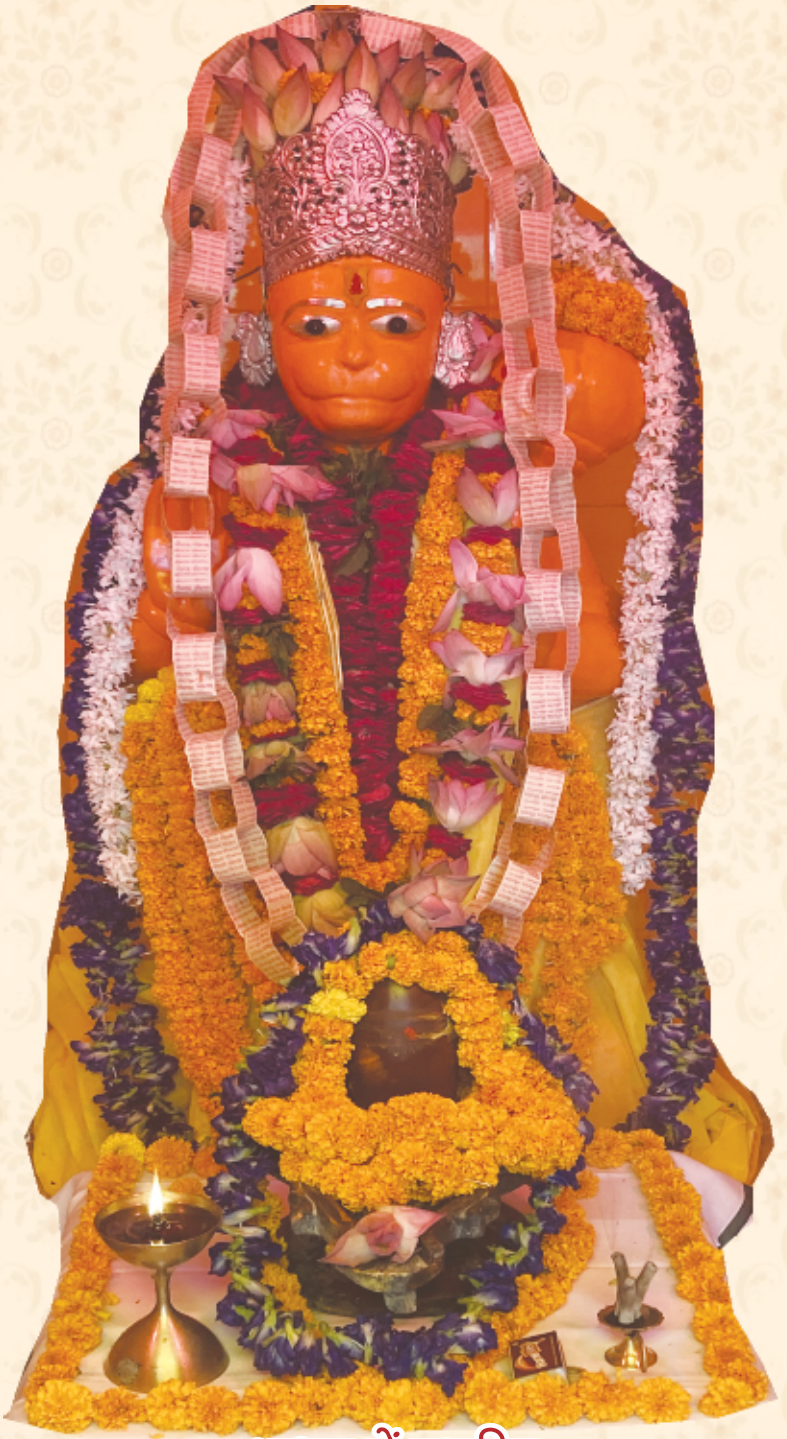

आश्रम में स्थापित
श्री रोगहरण हनुमान जी महाराज

# प्रार्थना

अब कृपा करो सद्गुरू भगवन्,
जिससे मन निर्मल हो जाए।
चिंतन जिससे हरि-चरण का हो,
वह निर्मल मति अब बन जाए।।
छल, दंभ, द्वेष, पाखंड, झूठ,
इनसे मन में विरती उपजै।
नैतिकता का पथ सुदृढ़ हो,
सेवा का भाव हिये उपजै।।
हैं, दीन, हीन, जो धरती पर,
जिनकी सेवा का ऋण मुझ पर।
उनकी सेवा कर वसुधा पर,
हम तेरी कृपा को पा जाएँ।।
जीवन हो ऐसा शुद्ध, सरल,
जिससे सब जीव सुखारी हों।
सारी सृष्टी में सुख फैले,
कोई न कहीं भी दुखारी हो।।
हो मानव-मानव का प्रेमी,
पौरूषता उसकी पोषक हो।
गुण, शील पूर्वजों का गाकर,
मानवता का उद्घोषक हो।।
सभी भद्र हों, सभी गुणी हों,
सभी धर्म व्रतधारी हों।
प्रार्थना ''अश्रु'' की बस इतनी,
सब मानवता व्रतधारी हों।।

- रामदास ''अश्रु''

TITLE CODE - UPHIN48965
संस्करण - सितम्बर - चतुर्थ - 2020

# पूज्य श्री बाबा सरकार के चरण कमल

## श्री देवरहा बाबा मंच न्यास

### गंगा तट प्रयाग

सम्पर्क सूत्र - 9454609198,7753010001

E-mail : sridevrahababamanch@gmail.com

Please Download this app : https://play.goole.com/store/apps/details?id=com.devrahababamanch.app

मुद्रक : दि इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. प्रयागराज - 9335150790